

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार



लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक
एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

पिछले 18 (अठ्ठारह) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है: ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़



ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने का अवशेष भाग बताया गया है।

(भाग-19)

क्रमशः पूर्व का अवशेष...

अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए, आपके सहज ज्ञान युक्त पठन और/या आभा देखने वाले क्षेत्रों में जो कुछ भी समस्या हो सकती है, उसमें हाथों को पारित करना विशेष रूप से उपयोगी तकनीक है। इसकी पुष्ट करने के

लिए हाथों का उपयोग करें और अपने सहज ज्ञान युक्त पढ़ने और आभा को देखने से अपने को जोड़ें तथा इस जानकारी को सभी तीन स्रोतों से प्राप्त होने वाली भावनाओं की तुलना करें। क्या आपके हाथ पारिंग से आपको वह जानकारी प्राप्त होती है, जो आपके अंतर्ज्ञान या आंखों से पुष्टि नहीं की जाती है। यह कोई छूट नहीं है, परंतु हाथ पारिंग औरिक ऊर्जा के सटीक संकेतक होते हैं और ये कभी-कभी आपकी 'दृष्टि' से स्पष्ट नहीं होती हैं। इसके अलावा, आप शरीर पर हाथों को पारित करते समय किसी दृश्य या

अन्य रूप में अंतर्दृष्टि से प्राप्त कर सकते हैं, उदाहरण के लिए-आपके दिमाग में भावनाएं उत्पन्न होती हैं, जब आप एक निश्चित चक्र पर अपने हाथ पास करते हैं। उन क्षेत्रों में जहां आप ऊर्जावान दोषों को समझते हैं, उनको इन शर्तों के साथ ठीक करने के लिए डिजाइन की गई उपचार की विशेष तकनीकों को उपयोग करने के लिए आवश्यकता होगी। हालांकि, जब आप अपने उपचार में अलग-अलग तरीकों से हाथों का अभ्यास को सीखते हैं, तो मानसिक जानकारी प्राप्त करने और आभा को देखने के बाद, ऐसा कोई कारण नहीं है कि यह एक ही समय में नहीं किया जा सकता। इस जानकारी को तलाशने और पुष्टि करने के लिए एक सूचना स्रोत से दूसरे के लिए वैकल्पिक-सहज ज्ञान युक्त पठन करने के लिए पूरी तरह से स्वीकार्य है, जबकि एक ही समय में मानसिक जानकारी की पुष्टि करने का प्रयास को आप आभा के अपने स्वयं के अवलोकन (चमकती तकनीक का उपयोग करके) के साथ प्राप्त कर रहे हैं तथा हाथों को पास करते हुए अन्य स्रोत से भी जानकारी के प्राप्त करेंगे। हमें यह भी समझ लेना चाहिये कि सहज ज्ञान युक्त जानकारी के सभी तीन स्रोतों को एक साथ उपयोग करने से किया जाता है तथा एक दूसरे के साथ तुलना भी की जाती है, ताकि रोगी की हालत की संपूर्ण और समग्र ज्ञान प्राप्त किया जा सके। मरीज की उपचार की जरूरतों का यह एकीकरण, सूचनाओं के प्रत्येक स्रोत की तरह, जो इसके लिए योगदान करते हैं व एक गहरे स्तर छाप छोड़ते

हैं जो हीलर के संपूर्ण जागरूकता के लिए कार्य करता है और सभी विभिन्न रूपों से प्राप्त करने वाले को गहन जानकारी को एकीकृत करता है।

17.2 उपचार आवश्यकताओं की व्याख्या को एकीकृत करना: यह प्रायः देखा गया है कि आप अभ्यास और अनुभव हासिल करते समय, सामान्य शरीर की स्थिति और अस्वास्थ्यकर लोगों के शरीर के बीच भेदभाव करना शुरू कर देते हैं। उदाहरण के लिए- आपको लगता है कि स्वस्थ चक्रों पर जब उनपर हाथ पारिंग होगी तो उन लोगों से जुड़े स्वास्थ्य और ऊर्जा की एक सनसनी की अनुभूति आपको होगी, जबकि अवरूद्ध चक्रों के साथ आप 'अस्वस्थता' को महसूस करेंगे और यह भी महसूस करेंगे कि ऊर्जा अचानक समाप्त होती जा रही है। यह ऊर्जा प्रवाह में एक रुकावट होती है, जो चक्र के माध्यम से ऊपर से और बाहर से बहती है। कुछ अभ्यासों को जानने के बाद, अस्वस्थता का यह अर्थ आसान होगा जब आप इसे स्पष्ट और खुलेपन से जानने कि कोशिश करेंगे। अवरूद्ध या बीमारीग्रस्त चक्रों में उनके साथ आने वाले काले, खराब, गड़बड़ी या विचलित उपस्थिति भी हो सकते हैं और अक्सर आप मानसिक जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त करते समय अपने दिमाग की आंखों में इस तरह अनुभव करेंगे। हालांकि अवरूद्ध चक्रों की आभा को देखने का माध्यम से आसानी से पता नहीं चलता है, यह संभव है कि आपमें बाद में, इसकी क्षमता को बढ़ाने से प्राप्त हो सके।

क्रमशः